आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 22.12.2024 समय : 1905

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में अगले वर्ष जनवरी में परीक्षा पे चर्चा की आठवीं कड़ी में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद करेंगे।
- अंडमान निकोबार चुनाव आयोग द्वारा आकस्मिक रिक्तियों को भरने के लिए अगले वर्ष बारह जनवरी को उप–चुनाव की घोषणा की गई है।
- केन्द्रीय सहकारी कल्याण सोसाइटी लिमिटेड में प्रबंधन समिति के लिए उनतीस दिसम्बर को चुनाव कराया जाएगा।
- मुख्य सचिव डॉ. चन्द्र भूषण कुमार ने कल मायाबंदर का दौरा कर क्षेत्र की विकासीय कार्यों का जायजा लिया।
- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, के क्षेत्रीय केंद्र की ओर से द्वीप पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का कल समापन हो गया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में अगले वर्ष जनवरी में परीक्षा पे चर्चा की आठवीं कड़ी में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद करेंगे। द्वीपसमूह में छठीं से बारहवीं कक्षा तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अलावा शिक्षकों और अभिभावकों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया गया है। चौदह जनवरी तक माई जी ओ वी पोर्टल पर ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को प्रधानमंत्री से सीधे प्रश्न पूछने का अवसर प्रदान किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाणपत्र दिया जाएगा। एन सी ई आर टी द्वारा चुने गए प्रश्नों को कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। द्वीपों के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से दिए गए लिंक पर संपर्क कर कार्यक्रम में शामिल होने को कहा गया है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार चुनाव आयोग द्वारा आकस्मिक रिक्तियों को भरने के लिए अगले वर्ष बारह जनवरी को उप–चुनाव की घोषणा की गई है। डिगलीपुर तहसील के अंतर्गत पश्चिम सागर निर्वाचन क्षेत्र में ग्राम

पंचायत समिति सदस्य, नबाग्राम निर्वाचन क्षेत्र में नबाग्राम–एक में सदस्य और फरारगंज तहसील के अंतर्गत होपटाउन निर्वाचन क्षेत्र में होपटाउन–एक में सदस्य के पद के लिए उप–चुनाव कराया जाएगा।

<><><><><><><>

केन्द्रीय सहकारी कल्याण सोसाइटी लिमिटेड में प्रबंधन समिति के लिए उनतीस दिसम्बर को चुनाव कराया जाएगा। कल और चौबीस दिसम्बर को उम्मीदवारों के लिए सुबह साढ़े नौ बजे से शाम चार बजे तक नामांकन फार्म जारी किया जाएगा और इन्हीं तिथियों में सुबह साढ़े नौ बजे से शाम चार बजे तक नामांकन जमा किया जा सकता है। चौबीस दिसम्बर को शाम चार बजकर पैंतालीस मिनट पर सी सी डब्लू एस के सूचना पट्ट पर उम्मीदवारों की सूची दर्शा दी जाएगी। दावे और आपत्तियां छब्बीस दिसम्बर को सुबह नौ बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे के बीच ए आर सी एस के कक्ष में जमा किये जा सकते हैं। उम्मीदवार अपने नाम छब्बीस दिसम्बर को दोपहर दो बजे से तीन बजे के बीच वापस ले सकते हैं। चुनाव में भाग लेने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची तीन बजकर पन्द्रह मिनट पर सोसाइटी के सूचना पट्ट पर दर्शा दी जाएगी। चुनाव चिन्ह का आवंटन शाम साढ़े तीन बजे से किया जाएगा। उनतीस दिसम्बर को जंगलीघाट स्थित खेतान कल्याण मंडपम में दिन में दस बजे से चुनाव कराया जाएगा और शाम छः बजे वोटों की गिनती के बाद परिणाम घोषित कर दी जाएगी।

<><><><><><><>

मुख्य सचिव डॉ. चन्द्र भूषण कुमार ने कल मायाबंदर का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने क्षेत्र की विकासीय कार्यों का जायजा लिया और स्थानीय जरूरतों के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्य सचिव ने मध्योत्तर अंडमान ज़िला उपायुक्त नन्दिनी महाराज, प्रभागीय वन अधिकारी, सहायक आयुक्त और उप–विभागीय पुलिस अधिकारी के साथ एविस द्वीप का दौरा किया। इस दौरान मुख्य सचिव ने पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों के साथ बैठक भी की। उन्होंने प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों का जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। मुख्य सचिव ने मॉडल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के बीस बिस्तरों वाले नवनिर्मित बालक छात्रावास का उद्घाटन किया। इस छात्रावास के बन जाने से दूर–दराज के छात्रों को शिक्षा के साथ आवास की सुविधा मिल पाएगी। मुख्य सचिव ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विकास, शैक्षिक सुविधाओं में सुधार और सार्वजनिक मुद्दों के समाधान पर प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

<><><><><><><>

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, के क्षेत्रीय केंद्र की ओर से द्वीप पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का कल समापन हो गया। समापन समारोह में क्यारी के निदेशक डॉ. ई.बी. चारकुरकर मुख्य अतिथि थे, जबकि पर्यावरण एवं वन विभाग के वन्य जीव संभाग के मुख्य वन संरक्षक डॉ. एस. दिनेश कन्नन सम्माननीय अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि पर्यावरण केवल हवा या पानी नहीं है। यह एक जटिल प्रणाली है, मिट्टी, हवा, पानी, पौधों, जानवरों, बैक्टीरिया और वायरस का एक नाजुक संतुलन है। ये सभी घटक आपस में जुड़े हुए हैं, और प्रणाली के किसी एक हिस्से में किसी भी तरह की गड़बड़ी होने से पूरा पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे जागरूकता बढ़ती है और प्रतिभागियों को चुनौतियों का समाधान करने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त होती है। डॉ. एस. दिनेश कन्नन ने अपने संबोधन में कार्यशाला के दौरान अपने अनुभव को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने द्वीपों के विशाल प्राकृतिक संसाधनों के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इन सत्रों में प्रतिभागियों को प्रवाल भित्तियों से लेकर ऊंचे पेड़ों तक के अनूठे पारिस्थितिक तंत्रों के बारे में जानकारी मिली है। इससे पहले, पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. सी. शिवपेरुमन ने उपस्थिति का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताया और तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला की पाठ्यक्रम रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में भारतीय तटरक्षक बल, पुलिस, नौवहन सेवा निदेशालय, सीआईएसएफ, क्षेत्रीय विकास निदेशालय, पंचायती राज संस्था, कृषि, केंद्रीय जांच ब्यूरो, आदिवासी कल्याण, आईएनएस उत्क्रोश, पत्तन प्रबंधन बोर्ड और मत्स्य निदेशालय के लगभग तेईस अधिकारियों ने भाग लिया। इन तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को कक्षा शिक्षण और चिड़ियाटापू जैविक उद्यान क्षेत्र भ्रमण के अलावा बर्मानाला में अंतर–ज्वारीय समुद्री जैव विविधता पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

<><><><><><><>

नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने एफ पी एस संख्या तीन सौ बयासी, एक सौ छत्तीस, तीन सौ छियासठ, छः सौ उनतालीस, चार सौ सड़सठ, चार सौ इक्यासी, पांच सौ छत्तीस, एक सौ बावन, तीन सौ अट्ठहत्तर, चार सौ निन्यानब्बे और पांच सौ तैंतालीस में पंजीकृत सभी राशन कार्ड धारकों से जनवरी दो हजार पच्चीस के बाद से अपना राशन एफ पी एस संख्या चार सौ चौरासी, एक सौ सत्ताईस, पांच सौ छप्पन, एक सौ सैंतालीस, छत्तीस, पांच सौ उन्नीस, एक सौ चवालीस, तीस, चार सौ तेईस और छियासठ से लेने का अनुरोध किया है।

<><><><><><><><>

समाज कल्याण विभाग में चाइल्ड हेल्पलाइन एक शून्य नौ आठ के तहत अनुबंध के आधार पर हेल्पलाइन प्रशासक के एक पद पर नियुक्ति की जाएगी। उम्मीदवार का कानून, सामाजिक कार्य, सोशियोलॉजी, सामाजिक विज्ञान या मनोविज्ञान में स्नातक का होना अनिवार्य है। उम्मीदवार स्थानीय निवासी होना आवश्यक है। चयनित उम्मीदवार को पचास हजार रूपये की एकमुश्त राशि दी जाएगी। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन जरूरी दस्तावेजों के साथ समाज कल्याण निदेशक के पते पर बीस जनवरी तक जमा किया जा सकता है।

<><><><><><><><>